RAF SECTOR

NEWS CLIP

25/10/18

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

People News (Jabalpur,MP)

विसर्जन पर जबलपुर में बवाल, आगजनी, पथराव व लाठीचार्ज

पीपुल्स संवाददाता • जबलपुर
editor@peoplessamachar.co.in

ग्वारीघाट झंडा चौक पर सुबह 7.35 बजे उस समय बवाल खड़ा हो गया, जब लटकारी के पड़ाव की महाकाली समिति वालों ने प्रतिमा को कुंड ले जाने से इंकार कर दिया। पुलिस व जुलूस में शामिल लोगों के बीच पहले हुज्जत हुई और फिर पथराव, आगजनी का दौर शुरू हो गया। पुलिस पहले भीड़ के हाथों पिटी बाद में लाठी चार्ज कर उपद्रवियों को खदेड़ कर पीटा। घटना में सौ से अधिक के घायल होने की खबर है।

बताया जाता है कि बातचीत के दौरान ही पथराव किया जाने लगा। पुलिसवालों को जैसे ही पत्थर लगे वो जान बचाकर भागे। वायरलैस सैट पर मैसेज देने के बाद बड़ी संख्या में वहां बल एकत्र हुआ और फिर भीड़ पर टूट पड़ा। यह घटनाक्रम घंटों चलता रहा और भीड़ को पूरी तरह तितर-बितर करने के बाद ही स्थिति को नियंत्रित किया जा सका।

जिद से बढ़ गया विवाद: दरअसल सारा मामला जिद का था। पड़ाव वाली महाकाली का विसर्जन बरसों से नर्मदा तट ग्वारीघाट पर किया जा रहा है लेकिन वर्तमान परिवेश में प्रशासन विसर्जन कुंड में कराना चाहता था। दुर्गोत्सव समिति वाले तथा श्रद्धालुओं की भीड़ कुंड की बजाए ग्वारीघाट में विसर्जन के लिए अड़ गई। महारानी के नाम से प्रसिद्ध काली माता पड़ाव समिति की प्रतिमा सोमवार को अपरान्ह 3 बजे विसर्जन के लिए रवाना हुई थी। ग्वारीघाट झंडा चौक पहुंचने तक मंगलवार सुबह के 7.30 बज गए थे।

जेसीबी अड़ाकर रोका: पुलिस ने झंडा चौक पर बैरीकेडिंग के साथ जेसीबी मशीन को भी अड़ाकर रखा था और चल समारोह का कोई भी वाहन वहां आगे नहीं जाने दिया जा रहा था। पड़ाव समिति की प्रतिमा पहुंचते ही पुलिस ने पदाधिकारियों को कुंड जाने के लिए समझाईश दी। इसके बाद भीड़ वहीं धरने पर बैठ गई और नारेबाजी करने लगी। बातचीत चल ही रही थी कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी।

पुलिस को पड़े जान बचाने के लाले: पत्थरबाजी के साथ ही पुलिस व भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। पुलिस बल की संख्या नाम मात्र की ही थी इसलिए पुलिस को जान बचाने के लाले पड़ गए। किसी ने कहीं छुपकर तो किसी पुलिस वाले ने दीवाल फांदकर अपने को बचाया।

एक एक कर फूंकते गए वाहन

उपद्रव के इस माहौल में भीड़ पूरी तरह हावी थी और चुन-चुनकर पुलिस वाहनों को निशाना बनाया गया वाहनों में पहले तोड़ फोड़ की गई फिर कुछ वाहनों को पलटाया गया और इसके बाद उनमें आग लगाना शुरू कर दिया। 8 पल्सर जलाई गई, 1 बुलेट की स्वाहा, 3 अन्य बाईक में लगाई आग, 2 बाईक में तोड़फोड़, 3 बोलेरो वाहन में तोड़फोड़, 1 वज्र वाहन, 4 चार अन्य वाहनों में तोड़फोड़ कर पलटाए गए, डायल 100 में भी की तोड़फोड़की।

नशे में चूर थे उपद्रवी

भीड़ में शामिल ज्यादातर उपद्रवी शराब के नशे में चूर थे, समझाईश के बाद भी उपद्रवियों ने पुलिस पर हमला बोला। करीब दर्जनभर पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं। फुटेज के जरिए करीब 750 लोगों को चिन्हित किया गया है। ग्वारीघाट थाना में पृथक-पृथक मामले दर्ज करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। आरोपियों के खिलाफ धारा 146, 147, 148, 353, 324, 307 भादवि के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए जा रहे हैं।

-अमित सिंह, एसपी जबलपुर

पुलिस ने किया कुंड में प्रतिमा का विसर्जन

भीड़ को 11.30 बजे तक पूरी तरह से खदेड़ने के बाद दोपहर 12.30 बजे पुलिस वालों की टोली ने ही प्रतिमा का कुंड में ले जाकर विसर्जन कर दिया इस दौरान पुलिसवालों ने मां काली के जयकारे लगाते हुए पुलिस वीरता के नारे भी लगाए।

एसपी बोले अब किसी ने डंडा चलाया तो कर दूंगा सस्पेंड

11.25 बजे के लगभग जब स्थिति पूरी तरह काबू में होती नजर आई कलेक्टर छवि भारद्वाज के साथ ... मातहत फोर्स को डंडा चलाने से पूरी तरह रोक दिया। एसपी को ... लगा कि पुलिस आक्रोशित है और वह ऐसे नही रुकने वाली तो उन्हें चेतावनी भरे लहजे में माईक के जरिए उद्घोषित किया कि अब कोई भी पुलिसकर्मी डंडा नही चलाएगा वरना उसे में सस्पेंड कर दूंगा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि विसर्जन के पूर्व महाकाली के ... आदि समिति अध्यक्ष चंद्रा पाण्डे ... पुलिस व प्रशासन द्वारा सौंप दिए गए हैं।

Times of India (Amritsar,Punjab)

Railway guards to take action if crowd spotted on tracks

New Delhi: To prevent any Amritsar-like incident, Northern Railways has instructed train drivers to slow down and guards to take appropriate safety measures on spotting a crowd or events related to festivals near railway tracks.

On October 19, the guard, barely 400 metres away, had failed to alert either the people watching Dasara celebrations standing on the tracks or the nearest station. Fifty-nine people were mowed down by the train as the people standing on the tracks were caught unawares.

Railways has maintained that it was not at fault because it had no intimation of the event.

"The railways has taken the incident of running over of 59 people on October 19 very seriously and to ensure that such incidents don't happen in the future, the railway administration has issued the following orders which are to be implemented," said the letter written by the senior divisional operational manager Northern Railway to all the divisions of the zone.

The letter has instructions for pilots, loco-pilots, guards, gatemen, keymen, station masters as well as the Railway Protection Force. "If, while working, you see a crowd of people around the railway tracks, events related to some festival taking place, a fair or any public activity that is unusual, then control your speed. Inform the nearest station about it as well as provide the information in writing to the stationmaster in the trains next scheduled stoppage," the letter has instructed pilots, loco-pilots, guards, gatemen and keymen. It has also said that during the festive season they should continuously 'whistle' while crossing level crossings and work sites. The instructions also state that if during duty hours, if any gateman, loco-pilot, guard or any railway staff or any member of the public informs the station master of any crowd or activity on the tracks, then he should act immediately and inform the RPF, the GRP, local police and divisional controller for necessary action. It has also said that if the RPF gets any such information about crowds on the tracks, they also should act accordingly and inform relevant authorities at the earliest. PTI

PTI

A train crashed into revellers, who gathered to watch the Hindu festival of Dasara in the northern state of Amritsar, killing at least 50 people

Photos of Deployment/ Fam-ex of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।